बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – २० जून, २००४)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) | **सत्संग प्रवीण - २** | **कुल प्राप्तांक : १००**

नोंध : दाहिनी ओर दिए गए अंक उसी प्रश्न के उत्तर के पृष्ठ क्रम बताते हैं।

विभाग-१ : किशोर सत्संग प्रवीण - गुजराती पंचम आवृत्ति, जून - २०००

प्रश्न.१. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (किन्हीं दो) **(६ गुण)**

१. ''आज प्रसन्न होकर हमें जाने की अनुमति दीजिए ।'' ७७

२. ''अत: बातें करना श्रेष्ठ हैं ।'' ३७

३. ''उनको तो दीन बनकर ही वश किया जा सकता है ।'' ५७

४. ''अत: उनका सत्संग करो ।'' १०३

प्रश्न.२. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखे । (नौ पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. वेश्या ने गेहूँ पीसने के लिए - लिए । ३१

२. कल्याणदास भुज जाने के लिए तैयार हुए । १३

३. श्रीजीमहाराज तथा उनके साथ ही साथ संत-भक्त भी बिना भोजन किए ही लौट पडे । १९

४. भादरा के चार हरिभक्त किसानों को नुकसान हुआ । ७१

प्रश्न.३. निम्न विषय पर मुद्दानुसार टिप्पणी लिखे । (बारह पंक्तियों में) **(८ गुण)**

१. उपासना के स्वरूप का प्रकट होना ? ७५

अथवा

१. मानसी पूजा । ४५

२. सूरा खाचर । ७८

अथवा

२. बंधिया के डोसाभाई । ८७

प्रश्न.४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखे । **(६ गुण)**

१. राजाभाई का मुख्य अंग कौन-सा था ? १९

२. शास्त्र क्या है ? ३२

३. गृहस्थाश्रमी पुरुष को किसका दान नहीं करना चाहिए ? १

४. अद्‌भुतानंद स्वामी की बातों से साधु बने उन दो भाइयों के नाम क्या रखा था ? १४

५. ग. अं. २४ वे वचनामृत में महाराज ने स्वयंप्रकाशानंद स्वामी के कौन-से भाव को श्रेष्ठ कहा है ? ६६

६. जसा राजगोर ने गुणातीतानंद स्वामी के पास क्या लाकर रखा ? ८६

प्रश्न.५. नीचे दी गई 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखे । **(५ गुण)**

१. भगवान हमारे गुनाहों ८७

अथवा

नीचे दिए हुए 'वचनामृत' का विवरण लिखे ।

वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - २२ ५८

प्रश्न.६. नीचे दिए हुए वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखे । **(५ गुण)**

प्रसंग : जीवा खाचर की इर्ष्या । २३

१. श्रीजीमहाराज को रसोईघर में चूल्हे पर बैठकर संडास जाने के लिये कहा । २. भगुजी महाराज के वचन का रहस्य समझ गये । ३. अपना महँगा पलंग तोड़कर गरमी दी । ४. रामखाचर को लालच देकर श्रीजीमहाराज को मारने के लिये भेजा । ५. महाराज को थूँक के लिये अपनी पाघ सामने रखी । ६. यह गढ तो हमारे लिये उपयोगी है, इसलिये दूसरी जगह मन्दिर कीजिए । ७. मूल्यवान पगडी में से पट्‌टी निकालकर महाराज को बाँध दी । ८. श्रीजीमहाराज ने रामखाचर को माफ कर दिया । ९. भैयाने जो भी किया उसके सामने न देखकर उसे आपके धाम का अधिकारी बना देना । १०. उनकी भक्ति से श्रीजीमहाराज अत्यंत प्रसन्न हुए ।

(पृष्ठ पलटिये)

प्रश्न.७. निम्न में से किन्हीं दो पंक्तियों को पूर्ण कीजिए। **(४ गुण)**

१. कल्पतरु सर्वेना ..... सौथी मोटी । १७

२. सत्संगी जे तमारा ..... अमने न नड़े । ८१

३. व्हाला तारा जुगल चरण ..... चालमा रे लोल । ६९

प्रश्न.८. निम्न में से किन्हीं दो को पूर्ण कीजिए । **(४ गुण)**

१. जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करे ।

कौलद्रिषे नमः ..... भक्तिसम्पोषकाय नमः ।। ५१

२. ब्रह्मभूतः ..... पराम् ।। ९२

३. स्नेहातुरस्तथ ..... शरणं प्रपद्ये॥ ७८

विभाग-२ : गुणातीतानंद स्वामी - गुजराती छठ्ठी आवृत्ति, जुलाई २००१

प्रश्न.९. निम्न कथन कौन, किसे और कब कहते हैं यह लिखिए । **(६ गुण)**

१. ''ये तो महाराज है, स्वामी आप कहाँ हैं ?'' ४२

२. ''महाराज ! आप ऐसा पक्षपात करें वह कैसे चलेगा ?'' ३८

३. ''बड़े तो एक खुदाताला है ।'' ७६

प्रश्न.१०. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में कारण लिखे । (नौ पंक्तियों में) **(६ गुण)**

१. स्वामी को कृपानंद स्वामी के पास रहना अधिक पसंद था । ३०

२. चखाहों ने खुश होकर स्वामी को गुरु बनाया । ५७

३. भोलानाथ तथा साकरबा संघ छोड़कर आनंद के साथ घर लौटे । २

४. हंसराज पटेल ने वस्ता को एक कमरे में बन्द कर दिया । ७२

प्रश्न.११. निम्न में से किन्हीं दो के बारे में मुद्दासर नोंध लिखिए ।(बारह पंक्तियों में) **(८ गुण)**

१. मान-अपमान में एकता । ८२

२. वेदान्तीयों का पराजय । ३५

३. निश्चय कराया । ७३

४. हमारे अक्षरधाम की भेट । ४५

प्रश्न.१२. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए । **(५ गुण)**

१. स्वामी घेला नदी में किसके साथ स्नान करने गए थे ? ३२

२. किसके साथ रहकर ब्रह्मरूप हो सकते हैं ? ५२

३. जामीन होने पर सभा क्यों स्तब्ध हो गई ? ४४

४. महाराज की महिमा कब समझ में आती है ? १३

५. जूनागढ़ में मंदिर करने हेतु ज़मीन किसने अर्पण की ? ४३

प्रश्न.१३. निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । **(४ गुण)**

१. करसन बांभणिया का समर्पण । ५१

२. रंक से राय । ६७

३. चिथड़ों में लिपटा हुआ रतन है । ६२

प्रश्न.१४. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखो । **(६ गुण)**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. पीपलाणा में मूलजी भगत से मिलकर वर्णीराज ने अपनी पहचान कैसे दी ? ८

(अ) इन मूलजी भक्त को हमारे प्रति एकात्मभाव है ।

(ब) मूलजी बहुत प्रतापी है ।

(क) वे तो हमारे निवासरूप स्वयं अक्षरधाम अक्षरब्रह्म है ।

(ड) ये तो अनादि से सत्संगी है ।

२. स्वामी ने किसका दरिद्र मिटाया ? ७२

(अ) मावजी मिस्त्री

(ब) बाउद्दीन

(क) जसा भगत

(ड) हंसराज पटेल

३. गुणातीतानंद स्वामी की कृपा से दूर हुए दोष । ८१

(अ) ब्रह्मचारी धर्मस्वरूपानंद

(ब) पीताम्बरदास

(क) केशवप्रसादजी महाराज

(ड) कृपानंद स्वामी

विभाग-३ : ''सत्संग परिचय'' परीक्षा पुस्तकों पर आधारित - अंतिम आवृत्ति

प्रश्न.१५. निम्न में से किन्हीं तीन के बारे में २० पंक्तियों में विस्तृत नोंध लिखिए । (२१ गुण)

१. कल्पित भय एवं वहम से मुक्ति । (सहजानंद चरित्र) **अथवा** ३१

१. साधु धर्म समझाया । (सहजानंद चरित्र) **अथवा** १०७

१. सहजानंदी होना चाहिए । (सहजानंद चरित्र) **अथवा** १०८

१. भावनगर में पधरावनी । (सहजानंद चरित्र) १४८

२. प्रेमानंद स्वामी की कवीत्व शक्ति । (सत्संग वाचनमाला - २) **अथवा** १३-१४-१५

२. गुणातीतानंद स्वामी के परम भक्त कृष्णजी अदा । (सत्संग वाचनमाला - २) ७०

३. नाजा जोगिया । (किशोर सत्संग परिचय) **अथवा** १७

३. गलुजी । (किशोर सत्संग परिचय) **अथवा** ८

३. परम चैतन्यानंद स्वामी । (किशोर सत्संग परिचय) ७९

४. अडसढ तीर्थ सद्गुरु चरणों में । (प्रागजी भक्त) **अथवा** १४

४. अक्षर के ज्ञान का उद्घोष । (प्रागजी भक्त) **अथवा** २५

४. भगतजी का मनमोहक व्यक्तित्व । (प्रागजी भक्त) ५१

नोंध : उपरोक्त सभी प्रश्नों में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न और प्रश्न. १५ में से तीन विस्तृत नोंध दिनांक १८ जुलाई, २००४ के दिन होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावनाएँ हैं।

प्रति,

परीक्षा व्यवस्थापक (दिनांक २० जून, २००४. परीक्षा - सत्संग प्रवीण - २. माध्यम - हिन्दी. समय - दोपहर २:०० से ५:००)

सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद द्वारा किए हुए पूर्व कसौटी के आयोजन में मैंने स्वयं कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहकर परीक्षा दी है। निम्नलिखित बातें सही हैं, यह आप की जानकारी के लिए है। ६०२

परीक्षार्थी की अटक : परीक्षा दी वह दिनांक :

परीक्षार्थी का नाम : परीक्षा दी तब का समय :

पिता / पति का नाम : बैठक क्रमांक : | | | | | | |

परीक्षा स्थल का नाम : केंद्र नंबर : | | | |

परीक्षार्थी की सही : केंद्र का नाम :

नोंध : सिर्फ़ उपस्थित परीक्षार्थी भूले बिना इस उपस्थिति स्लीप को काटकर, सब विगतों को भरकर केन्द्र व्यवस्थापक को दे दें । सिर्फ़ कक्ष में (बैठक कक्ष में) उपस्थित रहने वाले परीक्षार्थी की उपस्थिति स्लीप इकट्ठा करके सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय - अहमदाबाद को जमा करा लें ।